बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

उर्दू

कक्षा – 10

"पढ़ेगा राजस्थान
बढ़ेगा राजस्थान"

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

घनश्यामदत्त जाट
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनू-सीकर (राज.)

रमेशचन्द्र पूनियां
जिला शिक्षा अधिकारी
चूरू (राज.)

लालचन्द नहलिया
जिला शिक्षा अधिकारी मा.
सीकर (राज.)

अमर सिंह पचार
जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

रिछपाल सिंह मील
अति. जिला परि. समन्वयक
समग्र शिक्षा, सीकर (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चूरू

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन-100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
चूरू (राज.)

महेश सेवदा
संयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

माननीय शिक्षा मंत्री की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम छू रहा है। नीति आयोग के नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) 2020 में राजस्थान सम्पूर्ण भारत में तीसरे स्थान पर रहा है। इस वर्ष राजस्थान, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में 8027 बाल वैज्ञानिकों के चयन के साथ पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा हैं। इसी परम्परा व सोच को निरन्तर बनाए रखने के प्रयास में इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का क्रियान्वयन संयुक्त निदेशक परिक्षेत्र चूरु के अधीन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा सीकर द्वारा किया जा रहा है। अनुभवी तथा ऊर्जावान विषय विशेषज्ञों की लगन व अथक मेहनत से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा जारी संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर विषयवस्तु व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं, जिनको बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए विद्यार्थियों तक पहुँचाया जा रहा है।

मैं इस मिशन प्रभारी सहित सभी विषयाध्यापकों की कर्मठ टीम को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने अपनी समर्पित कार्यशैली से इस नवाचारी कार्य को अंजाम दिया है। मेरा सभी संस्थाप्रधानों से आग्रह है कि वे सभी विषयाध्यापकों से समन्वय कर इस परीक्षोपयोगी सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

मैं आशा करता हूँ कि आपका प्रयास पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए एक नवाचार साबित होगा एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

3/8/21

गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
राजस्थान सरकार, जयपुर

निदेशक महोदय की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरु संभाग, चूरु के नेतृत्व में 'शेखावाटी मिशन–100' के तहत माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा 2021 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों हेतु बोर्ड परीक्षा में उपयोगी विषयवस्तु एवं प्रश्नकोश तैयार किया जा रहा है हालांकि यह सत्र कोविड–19 के कारण प्रभावित रहा है इसमें विद्यार्थियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'शेखावाटी मिशन–100' की टीम ने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार नवाचार करने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के लिए जो विषयवस्तु व प्रश्नकोश निर्माण किया है आशा करते है कि यह विद्यार्थियों के लिए निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा।

प्रतिभाशाली और कर्मठ ऊर्जावान शेखावाटी मिशन–100 की टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

शुभकामनाओं सहित।

सौरभ स्वामी (IAS)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर

संयुक्त निदेशक की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में मात्रात्मक एवं गुणात्मक अभिवृद्धि हेतु एक शैक्षिक नवाचार के रूप में 2017–18 में शेखावाटी मिशन–100 शुरु किया गया था। इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा चूरु संभाग के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक सीकर को मिली है। इस नवाचारी पहल ने पिछले 03 वर्षो में चूरु संभाग में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सफलता के नये आयाम बनाये हैं।

पिछले वर्षो में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से अभिप्रेरित होकर इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का दायरा बढ़ाकर 17 विषयों तक किया गया है। इस वर्ष कक्षा–10 के 07 विषयों (संस्कृत व उर्दू सहित) तथा कक्षा 12 में 10 विषयों, जिनमें अनिवार्य हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा विज्ञान संकाय में 04 विषयों (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व गणित) तथा कला संकाय में 04 विषयों (हिन्दी, साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास व भूगोल) के लिए बोर्ड द्वारा संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर अध्ययन सामग्री व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं। पाठ्य विषय वस्तु को इस प्रकार तैयार किया गया है कि सभी तरह के बौद्धिक स्तर वाले विद्यार्थी कम समय में भी अधिकतम अंक अर्जित कर सकेंगे।

शेखावाटी मिशन–100 में उन विषय विशेषज्ञों का चयन किया गया है जिनके पिछले वर्षो में अपने विषयों के गुणात्मक रूप से शानदार परीक्षा परिणाम रहे हैं।

मैं इस मिशन को सफल बनाने में सहयोग के लिए संभाग के सभी शिक्षा अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

लालचन्द बलाई
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2020–21
माध्यमिक परीक्षा – 2021

विषय : उर्दू–10

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन–100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

इमरान अली
संयोजक उर्दू
रा.उ.मा.वि., खीरवा (सीकर)
मो. : 9828644385

मोहम्मद आरिफ भाटी
सहसंयोजक उर्दू
रा.उ.मा.वि., बेसवा (सीकर)

अशफाक मोहम्मद
रा.बालिका उ.मा.वि., बेसवा (सीकर)

फारुक हुसैन
रा.उ.मा.वि., राजास (सीकर)

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

حصّہ نثر

(الف) مختصر ترین سوالات اور جوابات۔

سوال ۱۔ دنیا میں کس کی تلافی نہیں ہے؟

جواب۔ وقت کی تلافی نہیں ہے۔

سوال ۲۔ سبق ''وقت'' کے مصنف کا کیا نام ہے؟

جواب۔ مولوی نذیر احمد۔

سوال ۳۔ ڈپٹی نذیر احمد کب اور کہاں پیدا ہوئے ؟

جواب۔ ڈپٹی نذیر احمد ۱۸۳۶ میں ضلع بجنور کے موضع ریہڑ میں پیدا ہوئے۔

سوال ۴۔ 'ذلیل' لفظ کا معنی لکھئے۔

جواب رسوا اور بدنام کے ہیں۔

مختصر سوالات اور جوابات

سوال ۵۔ وقت کو کس طرح استعمال کرنا چاہئے؟

جواب۔ وقت کو اچھے کام اور اچھی باتوں میں استعمال کرنا چاہئے۔

سوال ۶۔ ''وقت دبے پاؤں نکل جاتا ہے'' اس کا کیا مطلب ہے؟

جواب۔ وقت کے گزرنے کا ہم کو احساس تک نہیں ہوتا۔

سوال ۷۔ وقت کی تلافی کیوں نہیں ہے؟

جواب۔ کیوں کہ گزرا ہوا وقت واپس نہیں آتا۔

سوال ۸۔ ڈپٹی نذیر احمد نے کن کن عہدو پر ملازمت کی؟

جواب۔ ڈپٹی نذیر احمد نے ملازمت مدرس سے شروع کی اور ڈپٹی کلکٹر کے عہدے تک پہنچے۔

سوال۹۔ وقت کی کیا اہمیت ہے؟

جواب۔ وقت کے صحیح استعمال سے انسان لائق، ہنرمند، عالم، فاضل، نامور، نیک دل اور ہر دل عزیز بن کر دنیا میں کامیاب اور کامران ہوسکتا ہے۔

سوال۱۰۔ ڈپٹی نذیر احمد کی مشہور تصانیف کے نام لکھئے۔

جواب۔ مراۃ العروس، بنات النعس، توبتہ النصوح اور ابن الوقت ان کے مشہور ناول ہیں آپ نے انڈین پینل کوڈ کا ترجمہ ''تعزیرات ہند کے نام سے اردو میں کیا۔

سبق امتحان کی تیاری

سوال۔۱ سبق امتحان کی تیاری کے مصنف کا نام لکھے۔

جواب۔ مرزا فرحت اللہ بیگ۔

سوال ۲۔ فرحت اللہ بیگ کی پیدائش کب اور کہاں ہوئی؟

جواب۔ مرزا فرحت اللہ بیگ ۱۸۸۴ میں دہلی میں پیدا ہوئے۔

سوال۳۔ امتحان میں کون سی دو صورتیں ہوتی ہیں؟

جواب۔ دو ہی صورتیں ہیں ''فیل یا پاس''۔

سوال۴۔ فرحت اللہ بیگ کے والدین امتحان کے متعلق کیا کہا کرتے تھے؟

جواب۔ ان کے والدین نے کہا کہ اتنی محنت نہ کیا کرو۔

سوال۵۔ فرحت اللہ بیگ نے لاء کلاس کا کورس کس طرح پورا کیا؟

جواب۔ دو سال میں پورا کیا مگر کبھی مسلسل کالج نہیں گئے۔ کبھی کبھار کلاس میں جھانک آتے تھے۔

سوال۶۔ فرحت اللہ بیگ کے والد کس لئے خوش تھے ؟

جواب۔ بیٹے کی محنت کو دیکھ کر کہ بیٹا بڑا وکیل بنے گا۔

سوال ۷۔ فرحت اللہ بیگ نے والدین سے کیا تقاضہ کیا؟

جواب۔ پڑھنے کے لئے الگ کمرے کا تقاضہ کیا۔

سوال ۸۔ کامیابی و ناکامی خدا کے ہاتھ ہے'' یہ بات کس نے کس سے کہی۔

جواب۔ مرزا فرحت اللہ بیگ سے ان کے والد نے کہی۔

سبق نوشیروان عادل

سوال ۱۔ نوشیروان کس لئے مشہور ہے؟

جواب۔ عدل وانصاف کے لئے۔

سوال ۲۔ بڑھیا کو کس چیز کے لئے طمع دلائی گئی؟

جواب۔ بہت بڑے معاوضے کی۔

سوال ۳۔ صیدگاہ میں نوشیروان کو کس چیز کی ضرورت تھی؟

جواب۔ نمک کی۔

سوال ۴۔ سبق ''نوشیروان عادل'' کے مصنف کون ہیں؟

جواب۔ مولانا اسماعیل میرٹھی۔

سوال ۵۔ نوشیروان کے ایوان میں کیا عیب پیدا ہوا؟

جواب۔ بڑھیا کے جھونپڑے کی وجہ سے محل کا ایک کونہ ٹیڑھا ہو گیا۔

سوال ۶۔ نوشیروان نے اپنے دل میں کیا عزم مصمم کیا؟

جواب۔ عدل و انصاف اور رعایا کی بھلائی کرنے کا پکا ارادہ کرلیا۔

سوال ۷۔ وزیر کی کون سی نصیحت بادشاہ کی طبیعت پر موثر ہوئی؟

جواب۔ طائروں کی گفتگوں والی نصیحت۔

سوال۸۔ نوشیروان کے بارے میں آپ کیا جانتے ہیں؟

جواب۔ ایران کا مشہور اور عادل بادشاہ تھا۔

سوال۹۔ جمشید کے بارے میں آپ کیا جانتے ہیں؟

جواب۔ ایران کا مشہور بادشاہ جو جوجام جم' بنوانے کے لئے جانا جاتا ہے۔

سوال۔۱۰ دارا کون تھا؟

جواب۔ ایران کا بادشاہ جو سکندر کے ساتھ جنگ میں مارا گیا۔

سوال۱۱۔ رستم کون تھا؟

جواب۔ ایران کا مشہور پہلوان تھا۔

سوال۱۲۔ قارون کون تھا؟

جواب۔ حضرت عیسیٰ السلام کے زمانے کا مالدار شخص جو بہت بخیل تھا، جو اپنے تمام مال و دولت کے ساتھ زمین میں غرق ہو گیا۔

سوال۱۳۔ شیخ سعدی کے بارے میں آپ کیا جانتے ہیں؟

جواب۔ فارسی کے مشہور شاعر اور انشاء پرداز جن کی کتابیں ''گلستاں'' و ''بوستاں'' مشہور ہیں۔

سوال۱۴۔ نوشیروان کی زندگی سے ہمیں کیا درس ملتا ہے؟

جواب۔ انصاف پسندی اور رحم دلی کا۔

سوال۱۵۔ مولوی نظام الدین نے نوشیروان کے متعلق کون سی حکایت لکھی ہے؟

جواب۔ پرندوں کی گفتگوں والی حکایت اور اس سے متاثر ہو کر عدل و انصاف اور عوام کی خدمت کا ارادہ کرتا ہے۔

سبق ابوخاں کی بکری

سوال ۱۔ سبق ابوّ خاں کی بکری کے مصنف کا نام لکھیے۔

جواب۔ ڈاکٹر ذاکر حسین۔

سوال ۲۔ ابوخان کہاں کے رہنے والے تھے؟

جواب۔ الموڑے کے۔

سوال ۳۔ ابوخاں کو کیا شوق تھا؟

جواب۔ بکریاں پالنے کا شوق تھا۔

سوال ۴۔ ابوخاں کی بکری چاندنی کیوں بھاگی؟

جواب۔ بکری کو آزادی کی زندگی پسند تھی۔

سوال ۵۔ چاندنی نکل کر بھاگنے میں کس طرح کامیاب ہوئی؟

جواب۔ چاندنی کوٹھری کی کھلی کھڑکی سے نکل کر بھاگنے میں کامیاب ہوئی۔ابوخاں کوٹھری کی کھڑکی بند کرنا بھول گئے۔

سوال ۶۔ ابوخاں بدنصیب کس طرح تھے؟

جواب۔ کیوں کہ وہ جو بھی بکری پالتے وہ بھاگ جاتی۔

سوال ۷۔ درخت پر بیٹھی چڑیوں میں کیا بحث ہو رہی تھی؟

جواب۔ جیت چاندنی کی ہوئی یا بھڑیے کی اس بات پر بحث ہو رہی تھی۔

سوال ۸۔ چاندنی نے لوٹنے کا ارادہ کیوں ترک کیا؟

جواب۔ چاندنی کو کھونٹا، رسی، کانٹوں کا گھر اور غلامی کی زندگی یاد آئی اس لئے اس نے ترک کیا۔

سوال ۹۔ ابوخاں کی بکری چاندنی میں آزادی کی خواہش کیوں پیدا ہوئی؟

جواب۔ جب ایک دن اس نے صبح پہاڑ اور اس کی چوٹیاں اور وہاں کی ٹھنڈی ہوا اور آزادی کا خیال دل میں آیا۔

سوال ۱۰۔ چاندنی نے ابوخاں کو بکریوں والی زبان میں کیا کہا؟

جواب۔ ابوخاں میاں ۔ میں اب تمہارے پاس رہوں گی تو مجھے بڑی بیماری ہو جائے گی مجھے تم پہاڑی میں چلی جانے دو۔

سبق۔ فدائے وطن شہید عبدالحمید

سوال ۱۔ عبدالحمید کے والد اور والدہ کا نام لکھے۔

جواب۔ والد کا نام محمد عثمان اور والدہ کا نام سکینہ بیگم تھا۔

سوال ۲۔ حب الوطن من الایمان'' کا کیا مطلب ہوتا ہے؟

جواب۔ وطن کی محبت ایمان کا جز ہے۔

سوال ۳۔ رسولن بی بی کون تھی؟

جواب۔ شہید عبدالحمید کی بی بی تھی۔

سوال ۴۔ عبدالحمید نے کن لوگوں کا مردانہ وار مقابلہ کیا؟

جواب۔ زمیندار کے پچاس لوگوں کا مقابلہ کیا تھا۔

سوال ۵۔ عبدالحمید کو کن کن فوجی اعزازات سے نوازا گیا تھا؟

جواب۔ 'سینہ سیوا میڈل' سمر سیوا میڈل' رکشا سیوا میڈل' مہاویر چکر اور پرم ویر چکر سے نوازا گیا تھا۔

سوال ٦۔ عبدالحمید نے غریب نواز کے آستانے کی طرف منھ کر کے کیا فریاد کی تھی؟

جواب۔ یہ فریاد کی کہ ''بابا آج ہم کو کوئی سزا ملی تو پھر کبھی تیرے آستانے پر نہیں آئینگے''۔

سوال ٧۔ عبدالحمید نے جنگ کے مورچے پر جانے سے پہلے جھنّن سے کیا کہا تھا؟

جواب۔ دیکھنا جھنّن ہم بھی جنگ میں لڑ کر کوئی نہ کوئی چکّر ضرور لے کر لوٹیں گے۔

سوال ٨۔ عبدالحمید کو کس طرح لطف حاصل ہوتا تھا؟

جواب۔ کشتی کی مشق، ندی پار کرنے اور غلیل سے نشانہ لگانے میں۔

سوال ٩۔ عبدالحمید کے کارناموں سے ہمیں کیا پیغام ملتا ہے۔؟

جواب۔ مذہبی نفرت اور تنگ نظرئے کو بھلا کر حبّ الوطنی، ملک کی حفاظت اور ترقی کے لئے کوشش کرنے کا پیغام ملتا ہے۔

سبق ۔ ایک تندرستی ہزار نعمت

سوال ۱۔ انسان کے لئے اللہ تعالیٰ کی سب سے بہترین نعمت کیا ہے؟

جواب۔ تندرستی سب سے بہترین نعمت ہے۔

سوال ۲۔ انسان کی صحت کے لئے کون کون سے جذبات نقصان دہ ہے؟

جواب۔ غصہّ ،حسد، کشاکش اور لالچ جیسے جذبات صحت کے لئے نقصان دہ ہے۔

سوال ۳۔ بیمار شخص کے علاوہ اور کون اس کی بیماری سے پریشان ہوتے ہیں؟

جواب۔ بیمار کی دیکھ بھال کرنے والے لوگ۔

سوال ۴۔ اس سبق میں تندرستی سے متعلق کس شاعر کا شعر شامل ہے؟

جواب۔ مرزا اسداللہ خاں غالب کا۔

سوال ۵۔ سبھی نعمتوں کا لطف ہم کب اٹھا سکتے ہیں؟

جواب۔ جب ہم تندرست اور صحت مند ہوں۔

سوال ٦۔ جسم کے ایک عضو میں بیماری ہونے پر جسم کے دوسرے عضو پر کیا اثر ہوتا ہے؟

جواب۔ جسم کے دوسرے اعضاء میں بھی خرابیاں پیدا ہو جاتی ہیں۔

سوال ۷۔ کھیلنے کودنے کے متعلق پرانے زمانے میں کون سا مقولہ مشہور تھا؟

جواب۔ پڑھو گے لکھو گے بنو گے نواب، کھیلو گے کودو گے ہوؤ گے خراب۔

سوال ۷۔ تندرستی کی اہمیت کون زیادہ اچھی طرح سمجھ سکتا ہے؟

جواب۔ ایک بیمار آدمی۔

سوال ۹۔ تندرستی کسے کہتے ہیں؟

جواب۔ جسم کے تمام اعضاء معمول کے معابق اپنا کام کرتے ہوں اور جسم میں کوئی بیماری نہ ہو۔

سوال۱۰۔ مکمل تندرستی کے لئے کیا کیا ضروری ہے؟

جواب۔ مکمل تندرستی کے لئے متوازن غذا، صاف پانی، تازہ ہوا، جسم کی پاکیزگی وصفائی آس پاس کے ماحول کی عمدگی اور کام اور آرام میں اعتدال ضروری ہے۔ اور ذہنی سکون بھی ضروری ہے۔

سوال۱۱۔ جدید تعلیمی نظام میں کس بات پر توجہ دی جاتی ہے؟

جواب۔ طلبا کی ذہنی ترقی کے ساتھ جسمانی اور ہمہ جہت ترقی پر بھی توجہ دی جاتی ہے اور معاون نصابی سرگرمیوں پر بھی توجہ دی جاتی ہے۔

سوال۱۲۔ تندرستی کی ہماری زندگی میں کیا اہمیت ہے؟ سمجھائیے۔

جواب۔ تندرستی ہزار نعمتوں سے بہترین ہے۔ تندرست جسم میں ہی تندرست دماغ رہتا ہے۔ مکمل تندرستی کے بغیر ہم کوئی بھی کام صحیح طریقہ سے نہیں کر سکتے ہیں۔

اقتباسات کی تشریح

سبق۔ وقت

سوال۱۔ مندرجہ ذیل اقتباس کی تشریح مع سیاق و سباق کیجئے۔

''جب وقت کی بے ثباتی کا یہ حال ہے اور جو وقت گزرا وہ ہمارے اختیار سے باہر ہوا تو نہایت ضروری ہے کہ وقت پر ہمارا اختیار ہو اس کو ضائع نہ ہونے دیں۔ یہی وقت ہے کہ سونے اور کھیلنے میں گزر جاتا ہے اور آدمی کو سست اور غبی اور آوارہ اور ذلیل اور رسوا اور خوار اور محتاج اور طرح طرح کے امراض میں مبتلا اور بداخلاقیوں میں گرفتار کر دیتا ہے''۔

جواب۔ جب وقت کی.....گرفتار کر دیتا ہے۔

سیاق وسباق کا حوالہ ۔مزکورہ بالا اقتباس نصابی کتاب کے سبق ''وقت'' سے ماخوذ ہے۔ اس

مضمون کے مصنف ڈپٹی نذیر احمد ہے۔اس مضمون میں نذیر احمد وقت کے صحیح استعمال پر زور دیتے ہیں۔

۲۔ **مشکل الفاظ کے معنی۔** بے ثباتی ۔ ناپائیداری، بے قراری

غبی ۔ کم عقل۔بے وقوف

ذلیل ۔ رسوا، بدنام

۳۔ **تشریح۔** مصنف وقت کی اہمیت پر زور دیتے ہوئے کہنا چاہتا ہے کہ وقت کا گزرنا ہمارے اختیار میں نہیں ہے اس لئے ہمیں وقت کو اختیار میں رکھنا ہے۔اور اس کا طریقہ بتایا کہ اس کو ضائع نہ کریں اس کو خراب اور بے کار میں نہ جانے دیں بلکہ اس کا صحیح اور مناسب استعمال کریں۔اور اگر انسان اس کا صحیح استعمال نہیں کرتا ہے تو مختلف پریشانیوں میں مبتلا ہو جاتا ہے۔اگر انسان وقت کا پابند نہ رہے۔اور سونے اور کھیلنے میں گزار دے تو اسے طرح طرح کی بداخلاقیوں اور پریشانیوں کا سامنا کرنا پڑیگا۔

یا

سبق ۔ ایک تندرستی ہزار نعمت

سوال۲۔ مندرجہ ذیل اقتباس کی تشریح مع سیاق وسباق کے حوالہ سے کیجئے۔

تندرستی کے معنی ہیں کہ جسم کے تمام اعضاء معمول کے مطابق اپنا کام کرتے ہوں اور جسم میں کوئی بیماری نہ ہو۔کیوں کہ جسم کے ایک عضو میں بیماری ہونے پر جسم کے دوسرے اعضا میں بھی خرابی پیدا ہو جاتی ہے۔مکمل تندرستی کے لئے متوازن غذا ،صاف پانی، تازہ ہوا، جسم کی پاکیزگی وصفائی، آس پاس کے ماحول کی عمدگی اور کام اور آرام میں اعتدال ضروری ہے۔

اس کے علاوہ ذہنی سکون بھی انسان کی صحت کے لئے ضروری ہے۔ کچھ انسانی جذبات جیسے غصہ، حسد، کشاکش، لالچ و غیرہ انسان کی ذہنی صحت کے لئے نقصان دہ ہیں۔ ان سے ہمیں بچنا چاہیئے۔

جواب۔ تندرستی کے معنی۔.....بچنا چاہیئے۔

سیاق وسباق۔ مذکورہ بالا اقتباس نصابی کتاب کے مضمون ''ایک تندرستی ہزار نعمت'' سے لیا گیا ہے۔ اس مضمون کے مصنف محمد صادق ہے۔ اس مضمون میں مصنف نے انسانی تندرستی کی اہمیت، آفادیت پر روشنی ڈالی ہے۔ تندرستی انسانی زندگی کا ایک اہمترین جز ہے۔

مشکل الفاظ کے معنی۔ اعضاء ۔جسم کے حصّے

متوازن غذا ۔ ایسا کھانا جس میں جسم کے لیے ضروری سبھی عناصر ضروری مقدار میں موجود ہو۔

اعتدال ۔ درمیانی درجہ

حسد ۔ جلن، کشاکش ۔ کھینچاؤ، ٹینشن

تشریح :۔ مصنف تندرستی کی اہمیت اور آفادیت بیان کرتے ہوئے کہتا ہے کہ تمام اعضاء آسانی سے اپنا کام انجام دے اس کا مطلب انسان تندرست ہے۔ اور اگر کوئی اعضاء کام نہیں کر رہا ہے اس کا مطلب انسان کے جسم کے دوسرے اعضاء بھی اس سے متاثر ہوتے ہیں۔ اس لئے تندرستی کا خیال رکھنا لازمی ہے۔ اس کے لئے غذا، صاف پانی اور جسم کی صاف صفائی ضروری ہے۔ ماحول کا صاف اور درست رہنا انتہائی ضروری ہے۔ انسان کی جسمانی تندرستی کے ساتھ اُسکی ذہنی تندرستی بھی ضروری ہے۔ اس کے لئے ذہنی سکون ضروری ہے۔ ذہنی تندرستی کے لئے کچھ انسانی جذبات ہیں وہ اس کو متاثر کرتے ہیں، جیسے غصّہ، حسد، لالچ اور کشاکش۔ ان سے انسان کو بچنا چاہیئے، تاکہ وہ مکمّل تندرستی حاصل کر سکے۔

حصّہ نظم

چند اہم اصنافِ سخن :۔

غزل

۱۔ غزل اردو شاعری کی سب سے مشہور اور مقبول صنف ہے۔

۲۔ غزل کے لغوی معنی محبوب سے حسن و عشق کی باتیں کرنا ہے۔

۳۔ غزل میں حسن و عشق کے ساتھ ساتھ اخلاق و تصوف، فلسفہ و حکمت، سیاست و معاشرت، سماجی و مذہبی مسائل و جذبات و معاملات کی عکاسی بھی کی جاتی ہے۔

۴۔ غزل کے پہلے شعر کو ''مطلع'' کہا جاتا ہے۔ اس شعر کے دونوں مصرعوں میں عام طور پر ردیف اور قافیہ پایا جاتا ہے۔ غزل کے لئے قافیہ ہونا ضروری ہے۔

۵۔ مطلع کے بعد بھی اگر کسی شعر کے دونوں مصرعوں میں ردیف اور قافیہ پایا جاتا ہے تو اُس شعر کو حسن مطلع کہا جاتا ہے۔

۶۔ غزل کا آخری شعر جس میں شاعر اپنا تخلّص استعمال کرتا ہے، اُسے 'مقطع' کہتے ہیں۔ مطلع اور مقطع کے درمیان والے اشعار 'فرد' کہلاتے ہیں۔

۷۔ غزل کے سب سے اچھے شعر کو 'بیت الغزل' کہتے ہیں۔

۸۔ غزل کی سب سے بڑی خوبی ''ایجاز و اختصار'' ہے، یعنی پورا شعر اپنے آپ میں ایک مکمل اکائی ہوتا ہے۔ اس کا دوسرے شعر سے کوئی تعلق نہیں ہوتا ہے۔

۹۔ غزل میں اشعار کی تعداد طے نہیں ہے۔ ایک غزل میں کم سے کم پانچ اشعار ہوتے ہیں۔

۱۰۔ کچھ خاص غزل گو شعراء میر تقی میر، خواجہ میر درد، مرزا اسد اللہ خاں غالب، مومن، آتش، ناسخ، داغ۔

نظم

۱۔ کلام موزوں (شاعری) کو نظم کہتے ہیں۔نظم کے لغوی معنی لڑی میں پرونا ہے جبکہ اصطلاحی معنی میں نظم وہ کلام ہے جس میں قافیہ پایا جاتا ہے۔

۲۔ نظم کی قسمیں پابند نظم، آزاد نظم، نظم معریٰ، نثری نظم۔

۳۔ نظم میں موضوع کی کوئی قید نہیں۔اس میں مختلف موضوع مثلاً سیاسی، سماجی، معاشرتی، مذہبی، اخلاقی، تہذیبی، قدرتی مناظر، موسموں، تہواروں، میدانِ جنگ کے حالات اور واقعات بھی قلم بند کئے جاسکتے ہیں۔

۴۔ نظم کا ایک مرکزی خیال ہوتا ہے اور خیالات میں تسلسل ہونا نظم کے لئے ضروری ہے۔

۵۔ کچھ خاص نظم گو شعراء۔ نظیر اکبرآبادی، مولانا الطاف حسین حالی، محمد حسین آزاد، علاّمہ اقبال، فیض احمد فیض، جوش، چکبست، اختر شیرانی، علی سردار جعفری، جاں نثار اختر۔

نظم ۔ حمد　　شاعر ۔ داغ دہلوی

سوال ا۔　رب کسے کہتے ہیں؟

جواب۔　رب پالنے والے کو کہتے ہیں۔اللہ تعالیٰ کی طرف اشارہ ہے۔

سوال ۲۔　شاعر اللہ تعالیٰ کے نام کو کب تک جاری رکھنا چاہتا ہے؟

جواب۔　جب تک دل میں دھڑکن ہے اور منھ میں زبان ہے تب تک شاعر اللہ کے نام کو جاری رکھنا چاہتا ہے

سوال ۳۔　بندے کو بخش دینا کس کا کام ہے؟

جواب۔　بندے کو بخش دینا اللہ کا کام ہے۔

سوال ۴۔　داغ کی والدہ کا نام کیا تھا؟

جواب۔　داغ کی والدہ کا نام وزیر بیگم تھا۔

سوال ۵۔　لفظ ''ربّ'' کے مترادف الفاظ لکھئے۔

جواب۔　پروردگار، خدا، اللہ

سوال ٦۔　لفظ ''بلندی'' کا متضاد لکھو۔

جواب،۔　پستی

سوال ۷۔　''حمد'' کسے کہتے ہیں؟

جواب۔　وہ نظم جس میں اللہ تعالیٰ کی تعریف بیان کی جائے، حمد کہلاتی ہے۔

سوال ۸۔　کونین کا مطلب کیا ہے؟

جواب۔　کونین کا مطلب ''دونوں جہاں'' سے ہے۔

نظم ۔ عیدالفطر   شاعر ۔   نظیر اکبرآبادی

سوال ۱۔   نظم 'عیدالفطر' کس نے لکھی ہے؟

جواب ۔   نظم 'عیدالفطر' نظیر اکبرآبادی نے لکھی ہے۔

سوال ۲۔   نظیر اکبرآبادی کا پورا نام کیا ہے؟

جواب ۔   ولی محمد۔

سوال ۳۔   عید کے دن نہانے کی دھوم کب ہوتی ہے؟

جواب ۔   صبح سویرے جلدی اٹھ کر نہانے کی دھوم مچی رہتی ہے۔

سوال ۴۔   لفظ ''عابد'' کے معنی بتائیے۔

جواب ۔   عبادت کرنے والا۔

سوال ۵۔   پیر و جواں اور لڑکوں کو کس بات کی خوشی تھی؟

جواب ۔   پیر و جواں اور لڑکوں کو نعمتیں کھانے اور عیدگاہ جانے کی خوشی تھی۔

سوال ۶۔   عید کے دن کون کون لوگ شاد ہوتے ہیں؟

جواب ۔   عید کے دن بادشاہ، وزیر سے لے کر فقیر تک ہر ایک انسان خوش ہوتا ہے۔

سوال ۷۔   ''روزوں کی سختیوں میں نہ ہوتے اگر اسیر'' سے کیا مراد ہے۔

جواب ۔   روزوں میں بھوک، پیاس اور ہر طرح کی نفسی خواہشات پر قابو رکھنے جیسے امتحان سے گزرنے کے بعد ہی عید کی اتنی زیادہ خوشی محسوس ہوتی ہے۔

نظم ۔ محنت کرو　　شاعر ۔ محمد حسین آزاد

سوال۱۔ نظم 'محنت کرو' کس نے لکھی ہے؟

جواب۔ مولانا محمد حسین آزاد نے لکھی ہے۔

سوال۲۔ مولانا محمد حسین آزاد کے والد کا کیا نام تھا؟

جواب۔ مولوی محمد باقر۔

سوال۳۔ ''بچپن رہا کس کا سدا، انجام کو سوچو ذرا'' یہاں 'سدا' کے کیا معنی ہیں؟

جواب۔ یہاں 'سدا' کے معنی ہمیشہ سے ہے۔

سوال۴۔ مولانا محمد حسین آزاد کے دو شعری مجموعوں کے نام لکھئے۔

جواب۔ ''نظم دل افروز'' اور ''نظم آزاد''

سوال۵۔ شاعر کے مطابق انعام اور اکرام کب حاصل ہوتا ہے؟

جواب۔ لگاتار محنت کرتے رہنے سے ہی نتیجہ ہماری خواہش کے مطابق آ سکتا ہے۔

سوال۶۔ نظم ''محنت کرو'' سے شاعر نے کیا اور کیسے پیغام دیا ہے؟

جواب،۔ اس نظم کے ذریعہ شاعر نے ایک الگ ہی انداز میں مختلف قسم کی مثالیں اور دلیلیں دے کر انسانوں اور خاص کر طالبِ علموں کو محنت کی اہمیت بتاتے ہوئے لگاتار محنت کرنے کا درس دیا ہے۔

سوال۷۔ شاعر نے کسے کوڑا مار کر محنت کرنے کا مطالبہ کیا ہے؟

جواب۔ جو انسان مایوس' ناامّید اور ہار مان کر بیٹھ جائے اُسے شاعر نے ہمّت کا کوڑا مار کر محنت کرنے کا مطالبہ کیا ہے۔

نظم ۔ پرندے کی فریاد   شاعر ۔ علاّمہ اقبال

سوال ۱۔ نظم 'پرندے کی فریاد' کس نے لکھی ہے؟

جواب۔ یہ نظم ''علاّمہ اقبال'' نے لکھی ہے۔

سوال ۲۔ پرندے کو کون سا زمانہ یاد آ رہا ہے؟

جواب۔ پرندہ اپنے گزرے ہوئے زمانہ کو یاد کر رہا ہے، جب وہ بے فکر اور آزاد تھا۔

سوال ۳۔ پرندہ کس چیز کو ترس رہا ہے؟

جواب۔ پرندہ اپنے گھر جانے کو ترس رہا ہے اور خود کو بدنصیب مان رہا ہے۔

سوال ۴۔ علاّمہ اقبال کب اور کہاں پیدا ہوئے؟

جواب۔ علاّمہ اقبال ۹ نومبر ۱۸۷۷ء کو سیال کوٹ پنجاب میں پیدا ہوئے۔

سوال ۵۔ علاّمہ اقبال کی کن ہی چار نظموں کے نام بتائیے۔

جواب۔ ہمالہ، نیا شوالہ، ہمدردی، ترانۂ ہند، پرندے کی فریاد، شکوہ جواب شکوہ۔

سوال ۶۔ نظم میں استعمال ہوئے مندرجہ ذیل الفاظ کے معنی بتائیے۔

جواب۔ شبنم ۔ اوس   آشیانہ ۔ گھونسلہ   دکھڑا ۔ درد بھرا قصہ

قفس ۔ پنجرا

سوال ۷۔ چمن چھوٹنے کے بعد پرندے کی کیا حالت ہوگئی ہے؟

جواب۔ چمن چھوٹنے کے بعد پرندے کا دل غمگین اور اُداس ہو گیا ہے۔

نظم ۔ بہادُر بنو　　شاعر ۔ سورج نرائن مہر

سوال ۱۔ نظم 'بہادُر بنو' کس شاعر کی تخلیق ہے؟

جواب۔ سورج نرائن مہر کی تخلیق ہے۔

سوال ۲۔ سورج نرائن مہر کس محکمے سے وابستہ تھے؟

جواب۔ پنجاب میں محکمہ تعلیم سے وابستہ تھے۔

سوال ۳۔ سورج نرائن مہر کی تعلیم وتربیت کس شہر میں ہوئی؟

جواب۔ دہلی میں پیدائش اور دہلی ہی میں تعلیم وتربیت ہوئی۔

سوال ۴۔ سورج نرائن مہر کے جوہر کس میدان میں کھلتے ہوئے دکھائی دیتے ہیں؟

جواب۔ سورج نرائن مہر کے جوہر نظم گوئی کے میدان میں کھلتے ہوئے دکھائی دیتے ہیں۔

سوال ۵۔ سورج نرائن مہر کا سنِ ولادت ووفات لکھئے۔

جواب۔ ولادت ۱۸۶۳ء میں دہلی میں اور وفات ۱۹۳۳ء میں ہوئی۔

سوال ۶۔ سورج نرائن مہر نے بچّوں کے لئے لکھی نظموں میں کن پہلوؤں کو ملحوظ رکھا؟

جواب۔ سلاست، روانی، اور سادگی کو ملحوظ رکھا ہے۔

سوال ۷۔ نظم نگاری کے علاوہ سورج نرائن مہر نے کن کن اصناف میں طبع آزمائی کی؟

جواب۔ نظم نگاری کے علاوہ غزل، قصیدہ، مثنوی اور قطعہ میں بھی طبع آزمائی کی۔

سوال ۸۔ سورج نرائن مہر کی نظمیں کس قسم کی مثالیں پیش کرتی ہیں؟

جواب۔ ان کی نظمیں حُبّ الوطنی، قومی یکجہتی اور انسان دوستی کی عمدہ مثالیں پیش کرتی ہیں۔

خُلاصۂ نظم

حمد باری تعالیٰ

نصاب میں شامل ''حمد'' کے شاعر داغ دہلوی ہے۔اس نظم میں شاعر اللہ تعالیٰ کی تعریف وتوصیف کرتے ہوئے اپنے لئے دُعا مانگ رہا ہے۔

۱۔ شاعر فرماتے ہیں کہ اے میرے رب تو غفور الرّحیم ہے بخش دینے والا ہے اس لئے تیرا یہ بندہ کہیں قیامت کے دن اپنے گناہوں کی وجہ سے جہنّم میں نہ ڈال دیا جائے اس لئے مجھے اس دنیا میں ہی بخش دے۔

۲۔ شاعر فرماتے ہیں کہ جب تک دل اور زبان حرکت کر رہے ہیں تب تک میں چاہتا ہوں کہ یہ تیری ہی حمد وثنا کرتے رہیں۔

۳۔ اے میرے رب تو ہی لوگوں کو کامیابی اور بلندی عطا کرنے والا ہے کیونکہ تیرا مقام اعلیٰ اور افضل ہے۔

۴۔ دونوں جہاں میں جو کچھ بھی ہے وہ سب اے میرے پروردگار تیرا ہی ہے اس لئے یہ داغ بھی تیرے سِوا کسی کا نہیں ہوسکتا ہے۔

عیدالفطر

نظیر اکبر آبادی نے نظم ''عیدالفطر'' میں رمضان کے تیس روزوں کے بعد آنے والی عید کی خوشی کا منظر بڑے دلکش انداز میں پیش کیا ہے۔عید کا چاند دیکھ کر روزے دار لوگوں کی خوشی کا ٹھکانہ نہیں رہتا ہے۔ رمضان ماہ کے روزوں کی بھوک پیاس کی شدّت کو محسوس کرنے والا، ہی عید کی خوشی کی اہمیت اچھی طرح سمجھ سکتا ہے۔اس دن بچّے ، بوڑھے اور جوان سب صبح سے ہی عید کی تیاری میں لگ جاتے ہیں۔ عید کی نماز کے بعد سب لوگ اپنی حیثیت کے مطابق عید کی خوشی مناتے ہیں۔اس عید کی خوشی شب برات اور بقرعید سے بھی بڑھ کر محسوس کی جاتی ہے۔

محنت کرو

نظم ''محنت کرو'' میں مولانا محمد حسین آزاد نے ایک الگ ہی انداز میں مختلف مشالیں دلیلیں دے کر انسانوں اور خصوصاً طلبہ کو محنت کی اہمیت بتاتے ہوئے محنت کرنے کا درس دیا ہے۔

شاعر فرمارہے ہیں کہ دنیا کا کوئی بھی کاروبار ہو سب کی کامیابی جی توڑ محنت کرنے پر منحصر ہے۔مایوس، ناامید اور بہانے بنانے والے ہمیشہ ناکام ہی ہوتے ہیں۔لگن سے محنت کرنے والا کبھی بھی وقت کی کمی اور مشکلات کی شکایت نہیں کرتا ہے۔آگے شاعر فرمارہے ہیں کہ یہ وقت پڑھنے کا ہے جس کے سہارے تم روزی اور روزگار پاؤ گے ورنہ بھوک مرنے کی نوبت بھی آسکتی ہے۔

پرندے کی فریاد

نصاب میں شامل نظم ''پرندے کی فریاد'' علاّمہ اقبال کی نہایت آسان اور مشہور نظموں میں سے ہے۔جو انھوں نے خاص طور سے بچّوں کے لئے لکھی تھی۔اس نظم کے ذریعے اقبال نے وقت کی اہمیت کے ساتھ ہی آزادی کی قدر و قیمت اور غلامی کی مصیبتوں کا ذکر اپنے خاص انداز میں کیا ہے۔

اس نظم میں شاعر فرمارہے ہیں کہ ایک پرندہ جو کہ قید کرلیا گیا ہے اُس کو اپنا گزرا ہوا آزادی کا

دور یاد آ رہا ہے جب وہ بے خوف ہو کر اپنے گھونسلے میں خوشی سے آیا جایا کرتا تھا لیکن اب پنجرے میں قید ہونے سے غم کے اظہار کے سوا میرے پاس کچھ بھی نہیں ہے۔ ہر وقت موسم تبدیل ہو رہا ہے لیکن میں اندھیرے گھر میں پڑا ہوا اپنی بدنصیبی کو رو رہا ہوں۔ آخر میں پرندہ صیّاد سے اپنی رہائی کی گزارش کر کے آزادی کی خواہش ظاہر کر رہا ہے اور بدلے میں نیک دُعا دینے کی بات کر رہا ہے۔

بہادُر بنو

یہ نظم سورج نرائن مہر کی نمایندہ نظم ہے۔ شاعر نے اس نظم کے ذریعے بچّوں کو ہر طرح کی بُرائی سے دور رہ کر صداقت بھری زندگی گزارنے کی ہدایت کی ہے۔ بچّوں کو چاہیئے کہ اگر ان سے کوئی خطا ہو جائے تو جھوٹے بہانے نہ بنا کر سچ سچ بتا دینا چاہیئے۔ بولنے سے پہلے اپنے لفظوں پر غور کر لینا چاہیئے۔ گالی گلوچ، جھوٹ اور فریب سے بچنا چاہیئے۔ علم سے بڑھ کر کوئی دولت نہیں ہوتی اس لئے خوب دل لگا کر پڑھنا چاہیئے اور اپنے اُستاد کا احترام کرنا چاہیئے۔ محنت اور ہمّت سے کام لیتے ہوئے اپنی بہادری کا ثبوت دینا چاہیئے۔

میر تقی میر

غزل کی تشریح

شاعر کا

حوالہ :۔ ''خدائے سخن'' اور ''امام غزل'' جیسے القابات سے مشہور میر کی شاعری میں درد و غم، آہ و بکا سوز و گداز محرومی و ناکامی اور دنیا سے بیداری کے جذبات کے ساتھ اردو غزل کی تمام خصوصیات نظر آتی ہے۔ ان کی شاعری کی زبان سادہ، آسان اور بامحاورہ ہے۔

شعرا۔ اس شعر میں محبوب کی جدائی کی وجہ سے غم کی شدّت کا بیان کیا ہے۔ اس غم میں آنکھیں اتنی روئی کہ وہ خشک ہو گئی اور آنسوں کی جگہ ان میں خون ٹپکنے لگا ہے۔

شعر۲۔ محبوب کے آنے سے پہلے تو ہوش وحواس ٹھیک رہتے ہیں لیکن محبوب کے سامنے آتے ہی ہمارے ہوش وحواس غائب ہوجاتے ہیں یعنی ہم سب کچھ بھول جاتے ہیں۔

شعر۳۔ محبوب کی جدائی کا غم ہم صبر کے ذریعہ برداشت کررہے تھے لیکن لگتا ہے اب ہمارے صبر نے بھی ہمارا ساتھ چھوڑ دیا ہے۔اب جدائی کا غم ہم سے برداشت نہیں ہو پارہا ہے۔

شعر۴۔ دل سے کوئی خواہش رخصت ہوگئی ہے اسی لئے آنکھیں رو رہی ہیں ورنہ رونا بے وجہ نہیں ہوتا ہے۔

شعر۵۔ عشق کرنے والے اپنے اندر حوصلہ بھی رکھتے ہیں اور یہی حوصلہ عاشق کو ہر ظلم وستم برداشت کرنے کی طاقت عطا کرتا ہے۔اور یہی وجہ ہے کہ تمھارے ہر ظلم کو میں برداشت کررہا ہوں ورنہ ہر ظلم کے خلاف لڑنا ہم اچھی طرح سے جانتے ہیں۔

شعر۶۔ اے میرے محبوب ہم کو کہنے کے لائق بہت سی باتیں ہیں لیکن جیسے ہی تم سامنے آتے ہو وہ باتیں دل میں ہی رہ جاتی ہیں لب پہ نہیں آپاتی ہیں۔

مرزا غالب

غزل کی تشریح

حوالہ :۔ مرزا غالب کا پورا نام اسد اللہ خاں اور غالب تخلّص تھا۔اردو اور فارسی دونوں زبانوں کے زبردست شاعر تھے۔ان کی شاعری میں ندرتِ خیال، سادگی و پُرکاری، سلاست و روانی، فسلفہ و فکر، جدّت طرازی، اختصار پایا جاتا ہے۔عام روایت سے ہٹ کر شاعری کرنا ان کو پسند تھا۔

شعر۱۔ مطلع کے اس شعر میں فرماتے ہیں میرا درد کسی بھی دوا سے ٹھیک نہیں ہوا ہے اور یہ میرے لئے اچھا ہوا اور نہ مجھے دوا کا احسان مند ہونا پڑتا اور محبوب کی نظر میں بُرا بن جاتا کیونکہ محبوب سے مُلاقات، ہی اس درد کا علاج ہے۔

شعر۲۔ شاعر فرماتے ہیں کہ اے میرے محبوب اگر تم کو مجھ سے کوئی شکایت ہے تو اکیلے میں مجھ سے کر لیتے لیکن میرے رقیبوں کو جمع کرنا تو محض مجھے جلانا ہے ایسا تماشا تمھیں نہیں کرنا چاہئے۔

شعر۳۔ اے میرے محبوب ہم نے تم کو اپنا مان رکھا تھا لیکن جب تم ہی بے وفائی کرنے لگے ہو تو پھر اس قسمت کو آزمانے کہا جائے۔خوش قسمت یا بدقسمت ہونا اب ہمارے لئے کوئی معنی نہیں رکھتا

شعر۴۔ لمبے انتظار کرنے کے بعد آج محبوب کے آنے کی خبر ملی ہے لیکن مایوس ہوں کیوں کہ اُس محبوب کو بٹھانے کے لئے گھر میں کوئی چیز نہیں ہے۔

شعر۵۔ اس شعر میں تلمیح ہے۔شاعر فرما رہے ہیں کہ خدا کی بارگاہ میں ہم نے کتنی دفعہ دُعا مانگی لیکن وہ پوری نہیں ہوئی۔ایسا تو نمرود کے زمانے میں ہوا کرتا تھا جب لوگ نمرود کو خدا مانتے تھے۔

شعر۶۔ جس عبادت کے لئے خدا نے ہم کو دنیا میں بھیجا ہے ہائے افسوس اس طرح سے ہم عبادت والی زندگی نہیں گزار سکے اور اس طرح اللہ کا حق ہم ادا نہیں کر پا رہے ہیں۔

شعر۷۔ شاعر محبوب کے دیئے ہوئے زخم کے بارے میں فرمارہے ہیں کہ وہ زخم دب گیا ہے لیکن اندر ہی اندر ابھی بھی احساس باقی ہے۔ایسا لگ رہا ہے کہ جس طرح کام رُک گیا ہے لیکن چل نہیں رہا ہو۔

شعر۸۔ مقطع کے اس شعر میں غالب فرمارہے ہیں کہ لوگ ہم سے بار بار التجا کر رہے ہیں کہ جب مشاعرے میں آپ آئے ہو تو کچھ کلام تو سناؤ ورنہ لوگوں کی آپ سے شکایت رہے گی کہ آنے کے بعد بھی غزل نہیں پڑھی۔

غیر درسی اقتباس

(۱)

ہمارا ملک ہندوستان دنیا میں وہ واحد ملک ہے، جہاں ہر مذہب وملت، رنگ ونسل کے لوگ صدیوں سے محبت کے ساتھ مل جل کر رہتے آئے ہیں۔ ملک کی آزادی کے بعد یہاں کے ہر شہری کو آزادی کے ساتھ اپنے مذہب وعقیدہ کے مطابق زندگی بسر کرنے کا حق حاصل ہے۔ اتنا ہی نہیں آزادی سے سینکڑوں برس قبل سے ہی اس ملک کی روایت رہی ہے کہ یہاں کے باشندوں نے بیرونی ممالک سے آنے والے افراد کا خواہ وہ کسی بھی غرض سے ہندوستان آئے ہوں، خیر مقدم کیا ہے۔

سوال ۱۔ اس اقتباس کا مطلب اپنے الفاظ میں لکھئے۔

جواب۔ ساری دنیا میں ہمارا ملک ہندوستان ایک ایسا ملک ہے جس میں ہر مذہب اور ہر نسل کے لوگ سینکڑوں سالوں سے آپسی محبت اور بھائی چارے کے ساتھ رہتے آئے ہیں۔ جب سے ہمارا ملک آزاد ہوا ہے، تب سے ہی ہر شہری کو اپنے مذہب اور عقیدے کے مطابق زندگی گزارنے کا حق حاصل ہے۔ اتنا ہی نہیں آزادی کے سینکڑوں سال پہلے سے یہاں ایسا ماحول رہا ہے کہ دوسرے ملکوں سے آنے والے لوگوں کا یہاں کے لوگوں نے استقبال کیا ہے، چاہے وہ کسی بھی مقصد سے یہاں آئے ہوں۔

سوال ۲۔ ہمارا ملک ہندوستان کس خوبی میں دنیا کا واحد ملک ہے؟

جواب۔ ہمارے ملک میں ہر مذہب اور ہر نسل کے لوگ صدیوں سے محبت کے ساتھ مل جل کر رہتے آئے ہیں۔

سوال ۳۔ ہندوستان کے ہر شہری کو کیا حق حاصل ہے؟

جواب۔ یہاں کے ہر شہری کو آزادی کے ساتھ اپنے مذہب وعقیدہ کے مطابق زندگی بسر کرنے کا حق حاصل ہے۔

سوال۴۔ ہمارے ملک کی پرانی روایت کیا ہے؟

جواب۔ ہمارے ملک کی پرانی روایت رہی ہے کہ باہر سے آنے والے لوگوں کا استقبال کرتا ہے، چاہے وہ کسی بھی مقصد سے یہاں آئے ہوں۔

سوال۵۔ مندرجہ ذیل واحد کے جمع لکھیے۔

۱۔ ملک ۲۔ حق

جواب۔ ۱۔ ملک ۔ ممالک ۲۔ حق ۔ حقوق

.....

(۲)

مہاتما گاندھی نے مذہبی نفرت ختم کر کے ملک کو ترقی کا راستہ دکھایا۔انہوں نے ایک بار کہا تھا:

''درخت کے پتّوں کی طرح سب مذہب الگ الگ نظر آتے ہیں،مگر جڑ کو دیکھا جائے تو سب ایک ہی نظر آتے ہیں''۔گاندھی جی کے اس پیغام کو دھیان میں رکھتے ہوئے ،ہمیں چاہئے کہ ہم سب ہندوستانی آپس میں کسی بھی قسم کا بیر اپنے دل میں نہ رکھیں اور اردو کے مشہور شاعر علاّمہ اقبال کے اس شعر کو اپنے دل و دماغ میں اتار لیں۔

مذہب نہیں سکھاتا آپس میں بیر رکھنا

ہندی ہیں ہم وطن ہے ہندوستاں ہمارا

سوال ۱۔ اس اقتباس کا مطلب اپنے الفاظ میں لکھئے۔

جواب:۔ مہاتما گاندھی نے ہمارے ملک سے مذہبی نفرت ختم کی اور ملک کو ترقی کا راستہ دکھایا۔ انہوں نے کہا تھا کہ سب مذہب ایک ہی ہیں۔اس لئے ہمیں ان کے پیغام کو مانتے ہوئے ایک دوسرے سے بیر نہیں رکھنا چاہیے۔شاعر علاّمہ اقبال نے بھی اپنے شعر کے ذریعے یہ پیغام دیا ہے کہ کوئی

بھی مذہب آپس میں دشمنی رکھنا نہیں سکھاتا اور ہم سب ہندوستانی ہیں اور ہمارا وطن ہندوستان ہے۔

سوال۲۔ گاندھی جی نے ملک کو ترقی کا راستہ کیسے دکھایا؟

جواب۔ گاندھی جی نے مذہبی نفرت ختم کر کے ملک کو ترقی کا راستہ دکھایا۔

سوال۳۔ گاندھی جی نے کیا کہا تھا؟

جواب۔ گاندھی جی نے کہا تھا کہ ''درخت کے پتّوں کی طرح سب مذہب الگ الگ نظر آتے ہیں، مگر جڑ کو دیکھا جائے تو سب ایک ہی نظر آتے ہیں''۔

سوال۴۔ گاندھی جی کے پیغام کو دھیان میں رکھتے ہوئے ہمیں کیا کرنا چاہیے؟

جواب:۔ گاندھی جی کے پیغام کو دھیان میں رکھتے ہوئے ہمیں چاہیے کہ ہم سب ہندوستانی آپس میں کسی بھی قسم کا بیر اپنے دل میں نہ رکھیں۔

سوال۵۔ مذہب ہمیں کیا نہیں سکھاتا؟

جواب۔ مذہب ہمیں آپس میں بیر (دشمنی) رکھنا نہیں سکھاتا۔

.....

قواعد (گرامر)

سوال ۱۔ فعل کی تعریف مع مثال لکھیے؟

جواب۔ فعل:۔وہ لفظ جس سے کسی کام کا کرنا یا ہونا ظاہر ہو، اُسے فعل کہتے ہیں۔

مثال۔ لکھنا، پڑھنا، آنا، جانا وغیرہ۔

سوال ۲۔ فاعل کی تعریف مع مثال لکھیے؟

جواب۔ فاعل:۔کسی کام کو کرنے والا فاعل کہلاتا ہے۔

مثال۔ ابرار پڑھ رہا ہے۔اِس جملے میں 'ابرار' فاعل ہے۔

سوال ۳۔ مفعول کی تعریف مع مثال لکھیے؟

جواب۔ مفعول:۔جس پر کام کا اثر پڑے، اُسے مفعول کہتے ہیں۔

مثال۔سعدیہ کتاب پڑھ رہی ہے۔اِس جملے میں 'کتاب' مفعول ہے۔

سوال ۴۔ ''حامد اخبار پڑھ رہا ہے۔'' اِس جملے میں سے فعل، فاعل اور مفعول بتایئے؟

جواب۔ فعل ۔ پڑھنا (پڑھ رہا ہے)

فاعل ۔ حامد مفعول ۔ اخبار

سوال ۵۔ مندرجہ ذیل محاوروں کا مطلب لکھتے ہوئے جملوں میں استعمال کریں؟

جواب

۔محاورے	مطلب	جملے میں استعمال
منہ بھر دینا	رشوت دینا	کچھ لوگ اپنا کام نکالنے کے لیے رشوت خوروں کا منہ بھر دیتے ہیں۔
زمین آسمان ایک کرنا	بہت کوشش کرنا	اکبر نے امتحان کی تیاری کے لیے زمین آسمان ایک کر دیے۔

آنکھیں بچھانا	استقبال کرنا	مہمان کے گھر آنے پر احمد نے آنکھیں بچھا دیں۔
آنکھیں دکھانا	غصّہ کرنا	عابد اسکول دیر سے پہنچا تو ماسٹر جی آنکھیں دکھانے لگے۔
اپنے منہ میاں مٹھو بننا	اپنی تعریف آپ کرنا	کچھ لوگ اپنے منہ میاں مٹھو بنتے ہیں۔
باغ باغ ہونا	بہت خوش ہونا	میں اپنے دوست حامد کو دیکھ کر باغ باغ ہو گیا۔
اپنا الوّ سیدھا کرنا	اپنا مطلب نکالنا	چناؤ کے وقت میں بہت سے لوگ اپنا اُلّو سیدھا کرتے ہیں۔
آسمان ٹوٹ پڑنا	سخت مصیبت آنا	والد کی موت کے بعد فاروق پر آسمان ٹوٹ پڑا۔

سوال ٦۔ مندرجہ ذیل کہاوتوں کا مطلب (مفہوم) لکھیے؟

جواب۔

کہاوت (ضرب المثل)	مطلب (مفہوم)
دودھ کا دودھ پانی کا پانی	پورا پورا انصاف ہونا۔
سورج کو چراغ دکھانا	عقلمند کو عقل کی بات بتانا۔
اندھیر نگری چوپٹ راج	بہت زیادہ بدانتظامی ہونا۔
پانچوں انگلیاں گھی میں ہونا	ہر طرح سے فائدہ ہونا۔
آسمان سے گرا کھجور میں اٹکا	ایک مصیبت سے نکل کر دوسری مصیبت میں پھنسنا۔

سوال ۷۔ مندرجہ ذیل لفظوں کے دو ۔دو مترادف الفاظ لکھیے؟

الفاظ	مترادف الفاظ
جنّت	بہشت، فردوس، خلد
آسمان	فلک، عرش، چرخ

الفاظ	مترادف الفاظ
خدا	رب، اللہ
چاند	مہتاب، قمر، ہلال

سورج	آفتاب، شمس، مہر
آنکھ	نظر، چشم
دوست	یار، رفیق

دکھ	درد، تکلیف
سمت	جانب، طرف، رخ
دوزخ	جہنم، نار

سوال ۸۔ مندرجہ ذیل لفظوں کے متضاد لکھیے؟

الفاظ	متضاد
آسمان	زمین
خوبصورت	بدصورت
آرام	تکلیف
زندگی	موت
دوست	دشمن

الفاظ	متضاد
خاص	عام
آگ	پانی
اچھائی	برائی
فائدہ	نقصان
صحیح	غلط

سوال ۹۔ رموزِ اوقاف کی علامتیں بتاتے ہوئے تعریف لکھیے؟

جواب۔ رموزِ اوقاف:۔ رموزِ اوقاف ان علامتوں کا نام ہے جو عبارت میں ایک جملے کو دوسرے جملے یا جملے کے ایک حصّے کو دوسرے حصّے سے الگ کرتے ہیں۔ اردو میں استعمال ہونے والے رموزِ اوقاف مندرجہ ذیل ہیں:۔

رموزِ اوقاف	اردو نام	انگریزی نام	استعمال (تعریف)
۔	ختمہ	Full Stop	وہ نشان جو جملے کے ختم ہونے پر لگاتے ہیں، اسے ختمہ (۔) کہتے ہیں۔ جملے کے پورا ہو جانے پر اس کے آخر میں اس کا استعمال ہوتا ہے۔

،	سکتہ	Comma	کسی ایک لفظ کے بعد تھوڑا سا ٹھہرنے کے لیے جو علامت استعمال کی جاتی ہے، اُسے سکتہ (،) کہتے ہیں۔ ایک ہی طرح کے دو یا زیادہ الفاظ کے آنے پر اس کا استعمال ہوتا ہے۔
” “	واوین	Inverted Comma	کسی کی بات کو اسی کے الفاظ میں نقل کرتے ہوئے جو علامت لگائی جاتی ہے، اُسے واوین (” “) کہتے ہیں۔ کہنے والے کے اپنے الفاظ لکھنے کے لیے اس علامت کا استعمال کرتے ہیں۔
( ), { }, [ ],	قوسین	Brackets	کسی بات کی خاصیت بتانے یا دوسری زبان میں پیش کرنے کے لیے اس بات کو جس علامت کے ساتھ لکھا جاتا ہے، اُسے قوسین ( ) کہتے ہیں۔ جہاں کسی دوسری زبان کا لفظ یا کوئی خاصیت ہو تو قوسین کا استعمال کرتے ہیں۔

:	رابطہ	Colon	وہ نشان جو کسی بات کی تفصیل بیان کرنے سے پہلے لگاتے ہیں۔
؛	وقفہ	Semi Colon	سکتہ سے ذرا طویل ٹھہراؤ کے لیے وقفہ (؛) کا استعمال ہوتا ہے۔
!	فجائیہ ندائیہ	Sign of exclamation	کسی کو آواز دی جائے یا کوئی غم، خوشی، خوف اور حیرت کا احساس ہو تو اسکا استعمال ہوتا ہے۔

چھٹّی کی درخواست

بخدمت جناب ہیڈ ماسٹر صاحب
گورنمنٹ سیکنڈری اسکول
سیکر (راج.)

عنوان :۔ درخواست برائے چھٹّی

جنابِ عالی !

مودبانہ گزارش ہے کہ مجھے گھر پر نہایت ضروری کام ہے۔جس کی وجہ سے میں اسکول نہیں آ سکتا۔مہربانی فرما کر مجھے ایک دن کی چھٹّی عنایت فرمائیں۔

عین نوازش ہوگی۔

شکریہ

العارض

آپ کا فرمانبردار شاگرد

نام ۔ محمد رحمان

درجہ ۔ دہم

مورخہ۔۱۵ فروری ۲۰۲۱ء

ٹی سی. کے لئے درخواست

بخدمت جناب ہیڈ ماسٹر صاحب
گورنمنٹ سیکنڈری اسکول
فتح پور، سیکر

عنوان :۔ درخواست برائے ٹرانسفر سرٹیفکیٹ

جنابِ عالی !

گزارش ہے کہ میں آپ کی اسکول میں درجہ نہم (۹) میں تعلیم حاصل کر رہا ہوں۔ حال ہی میں میرے والد صاحب کا تبادلہ دوسرے شہر ہو گیا ہے۔ میرے لئے اب یہاں رہ کر تعلیم کا سلسلہ جاری رکھنا ممکن نہیں۔ برائے مہربانی مجھے اسکول چھوڑنے کا سرٹیفکیٹ دیا جائے۔

تا کہ میں دوسرے شہر میں اپنی آگے کی تعلیم جاری رکھ سکوں۔

عین نوازش ہوگی۔

شکریہ

العارض

آپ کا فرمانبردار شاگرد

نام ۔ شکیل

درجہ ۔ نہم

فیس معافی کے لئے درخواست

بخدمت جناب ہیڈ ماسٹر صاحب
اسلامیہ سیکنڈری اسکول
سیکر (راجستھان)

عنوان ۔ فیس معافی کے لئے درخواست

جنابِ عالی !

گزارش ہے کہ میں آپ کے زیر سایہ دسویں جماعت میں پڑھ رہی ہوں۔ میرے والد صاحب کی آمدنی بہت کم ہے اور گھر کی مالی حالت کمزور ہے۔ وہ میری تعلیمی فیس ادا نہیں کر پا رہے۔ مجھے پڑھنے کا شوق ہے۔ میں امتحانات میں اکثر اوّل رہتی ہوں۔

برائے کرم میری فیس معاف کر دیں، تاکہ میں اپنی تعلیم کو جاری رکھ سکوں۔

شکریہ

آپ کی فرماں بردار شاگردہ
نام ۔ شبنم
درجہ ۔ دہم

مورخہ: ۱۹ جولائی ۲۰۲۰ء

دوست کو امتحان میں اوّل آنے پر مبارک باد

جے پور

مورخہ : ۱۹ مارچ ۲۰۲۱ء

عزیز دوست فرحان

تمہارا خط ملا پڑھ کر بہت خوشی ہوئی کہ تم دسویں جماعت میں اوّل آئے ہو۔ میں تمھیں اس موقع پر دل سے مبارک باد دیتا ہوں۔ اور ساتھ ہی میرا مشورہ ہے کہ تم گیارہویں جماعت کی تعلیم میرے ساتھ یہاں کی مشہور اسکول گاندھی سینئر سیکنڈری اسکول سے حاصل کرو تاکہ پھر سے ہمیں ایک ساتھ تعلیم حاصل کرنے کا موقع ملے اور ہم امتحان میں بھی اچھے نمبر حاصل کرسکیں۔

خط کا جواب جلدی دینا۔ آپکے والدین کو سلام عرض ہے اور دعا کی درخواست ہے۔

خدا حافظ

تمہارا دوست

محمد علی

مضمون

(۱) عید

ہر مذہب وملت اور قوم قبیلے میں خوشی کے تہوار ہوتے ہیں۔سال میں مسلمانوں میں خوشی کے دو دن آتے ہیں۔ایک دن عیدالفطر کا دوسرا دن عیدالاضحیٰ کا۔

رمضان کے تیس روزوں کی کڑی آزمائش کے بعد عید کا چاند خوشی کا پیغام لے کر آتا ہے۔عید کی تیاریاں بہت دن پہلے سے ہونے لگتی ہے۔لوگ نئے نئے کپڑے سلواتے ہیں۔ مکانوں کی صفائی اور سجاوٹ کا اہتمام کرتے ہیں لیکن چاندرات کی خوشی کی بات ہی کچھ اور ہوتی ہے۔لوگوں میں عجیب سی خوشی اور بے چینی ہوتی ہے کہ صبح عید ہوگی کہیں ہمارا کوئی کام ادھورا نہ رہ جائے۔کسی کو درزی کے یہاں سے کپڑے لانے ہیں تو کسی کو عطر خرید کر لانا ہے۔کسی کو بچوں کے جوتے لانے ہیں۔ چاندرات کو پوری رات بازار میں چہل پہل رہتی ہے۔

صبح ہوتے ہی سب نہادھوکر عمدہ کپڑے پہنتے ہیں اور خوشبو لگا کر عیدگاہ کی طرف دوگانہ نماز ادا کرنے کے لئے چل دیتے ہیں۔

عید کی نماز پڑھنے کے بعد لوگ اپنے عزیزوں اور دوستوں سے گلے ملتے ہیں۔آپس میں عید کی مبارک باد دینے میں غریب، امیر، چھوٹے اور بڑے کا کوئی فرق نہیں ہوتا۔اس سے بھائی چارہ بڑھتا ہے۔

عیدگاہ سے واپسی پر لوگ ایک دوسرے کے گھر ملنے کے لئے جاتے ہیں، جہاں جاتے ہیں میٹھی سویّاں، زردہ، نمکین وغیرہ سے خاطر داری ہوتی ہے۔ کبھی کبھی تو یہ خاطر پریشانی میں ڈال دیتی ہے اور پیٹ خراب ہو جاتا ہے۔ عید کے موقع پر جو عزیز اور دوست ایک دوسرے سے دور ہیں وہ مبارک باد تار یا عید کے کارڈ کے ذریعہ دیتے ہیں۔

عید کے دن بچوں کی خوشی کا تو ٹھکانہ ہی نہیں ہوتا۔ نماز پڑھ کر جب وہ گھر آتے ہیں تو گھر کے سب لوگوں سے عیدی وصول کرتے ہیں اور سویّاں اور مٹھائیاں کھاتے ہیں۔ ہر چیز سے بے پرواہ ہو کر بچے کھیل کود اور تفریح میں مگن رہتے ہیں۔ عید کے دن کوئی بچوں کو زیادہ روکتا اور ٹوکتا بھی نہیں۔ اس لئے جیسے چاہتے ہیں پیسے خرچ کرتے ہیں۔ پھیری والوں اور کھلونے والوں سے طرح طرح کی چیزیں خریدتے ہیں اور جھولے جھولتے ہیں۔ غرض اس طرح پورا دن تفریح اور خوشی میں گزر جاتا ہے۔ اس کے گزرنے کے بعد اگلی عید کا انتظار شروع ہو جاتا ہے۔

.....

تاج محل

تاج محل دنیا کی خوبصورت عمارتوں میں سے ایک ہے۔اس کو مغلیہ سلطنت کے مشہور بادشاہ شاہجہاں نے اپنی بیگم ممتاز کی یاد میں بنوایا تھا۔اس عمارت کو دیکھ کر دل اس حقیقت کو قبول کر لیتا ہے کہ محبت ہمیشہ زندہ رہتی ہے، کبھی نہیں مرتی۔ یہ محبت کی یادگار عمارت ہے اس کو دیکھنے کے لئے بڑی تعداد میں ملک کے لوگ اور بیرونی مما لک کے لوگ آتے ہیں۔

اسی تاج محل میں ممتاز محل کا روضہ مُبارک ہے اور شاہجہاں نے بھی انتقال کیا تو ان کو بھی ممتاز محل کی قبر کے پاس ہی دفنایا گیا۔ یہ مشہور عمارت تاج محل پوری سفید سنگِ مرمر سے بنی ہوئی ہے۔آگرہ میں دریائے جمنا کے کنارے پر واقع ہے۔جس کی خوبصوتی کئی سو سال سے اب تک قائم ہے۔اس مشہور عمارت میں اُس زمانہ کے اٹھارہ کروڑ روپیے خرچ ہوئے تھے۔اور جس میں بیس ہزار لوگوں نے لگا تار سولہ سال تک کام کیا تھا اور تب یہ عمارت مکمّل ہوئی۔ جو دنیا کے لئے عجوبہ بنی ہوئی ہے۔

تاج محل کے چاروں طرف ایک عالیشان چار دیواری ہے۔صدر دروازہ پر قرآن شریف کی آیتیں لکھیں ہیں۔اندر داخل ہونے پر دونوں طرف عجائب خانے ہیں، پھر آگے چلنے پر ایک بغیچہ ہے۔ اس عمارت کے چاروں طرف الگ الگ قسم کے پودے ہیں۔پورے چاند کی روشنی اور سرمئی گھٹاؤں سے تاج محل کی خوبصورتی میں چار چاند لگ جاتے ہیں۔بلا شک ہم یہ کہہ سکتے ہیں کہ تاج محل خوبصورتی کا خزانہ ہے۔اس جیسی عمارت نہ پہلے تھی اور نہ اس کے بعد تعمیر ہوئی ہے۔تاج محل نے ہندوستان کو جو شہرت دی ہے، وہ کسی اور عمارت نے نہیں دی۔اس با کمال عمارت کا حسن ہی تو ہے جو دور دور سے لوگوں کو اپنی طرف بُلا لیتا ہے اور لوگوں کے دلوں کو محبت سے بھر دیتا ہے۔لوگوں کو اس حقیقت کو قبول کرنے پر مجبور کر دیتا ہے کہ واقعی شاہجہاں نے اپنی بیگم سے اتنی محبت کی تھی کہ وہ آج تاج محل کی شکل میں مثال بن گئی ہے۔ان کی محبت آج بھی تاج محل کی زیارت کرنے والوں کے دلوں میں زندہ ہے۔

सपने होंगे सच

ALLEN CAREER INSTITUTE
KOTA (RAJASTHAN)
SIKAR, RAJASTHAN

Pre-Nurture &
Career Foundation Division

Class 6th to 10th | NTSE | OLYMPIADS & BOARD

Admission Open
Session 2021-22

New Batches for

Class 6th to 10th

7 April & 12 May 2021

(*ENGLISH MEDIUM*)

Strong Foundation Leads to

EXTRAORDINARY RESULTS

ALLEN SIKAR
Classroom Students
Qualified for

INMO
Indian National Mathematical Olympiad
&
INJSO
Indian National Junior Science Olympiad
(Conducted by HBCSE)

KRISH GUPTA
Class: 10th

DINESH BENIWAL
Class: 10th

HIMANSHU THALOR
Class: 9th

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Adv.) 2020

प्रथम वर्ष में ही JEE (Adv.) का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

AIR **736**

AIR **836**

SUBHASH
Classroom Student

KULDEEP SINGH CHOUHAN
Classroom Student

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Main) 2021 (Feb. Attempt)

दो साल बेमिसाल

एलन सीकर ने गढ़े कीर्तिमान,
जेईई-मेन में दिए
शेखावाटी टॉपर्स

MATHEMATICS 100 PERCENTILE

शेखावाटी टॉपर

शेखावाटी गर्ल्स टॉपर

ROHIT KUMAR
Classroom
99.9892474 %tile

SAKSHI GUPTA
Classroom
99.8925637 %tile

ALLEN® SIKAR Result : NEET (UG) 2020

प्रथम वर्ष में एलन सीकर, क्लासरूम के 165 + विद्यार्थियों को मिला सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश

680/720
AIR 695
AIIMS Jodhpur

675/720
AIR 866
AIIMS Jodhpur

LAVPREET KAUR GILL
Classroom Student

AYUSH SHARMA
Classroom Student

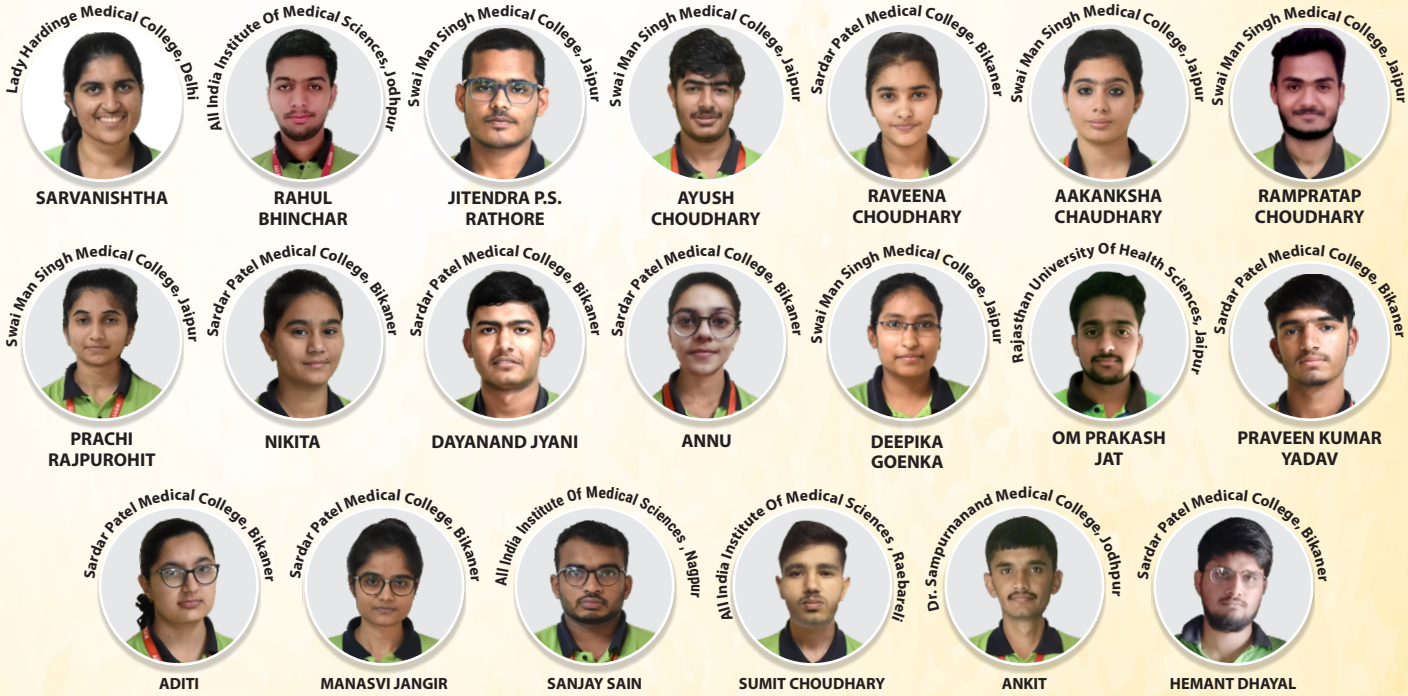

UPCOMING NEW BATCHES for JEE (Main+Adv.) & NEET (UG)

(Hindi & English Medium)

NURTURE BATCH	ENTHUSIAST BATCH	LEADER BATCH
(For Class 10th to 11th Moving Students) Starting from	(For Class 11th to 12th Moving Students) Starting from	(For Class 12th Appeared / Pass Students) Starting from
2, 9, 16 June & 30 June 2021	**7 April 2021** Both 11th & 12th syllabus will be covered	**2 June & 16 June 2021**

ALLEN® SIKAR

TEAM **ALLEN** @ SIKAR

एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट
(ASAT)

04, 11, 25 अप्रैल 2021 | 09, 23, 30 मई 2021,
06, 13, 20, 27 जून 2021

90% तक स्कॉलरशिप

ALLEN® CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN) path to success

DOWNLOAD FREE SAMPLE PAPERS

ALLEN Sikar Center: "SANSKAR," Near Piprali Circle, Sikar-Jhunjhunu Bypass, Piprali Road, Samrathpura, Sikar
Tel.: 01572-262400 | **E-mail** : sikar@allen.ac.in

Corporate Office : "SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Raj.) INDIA, 324005
Tel.: 0744-2757575 | **Email**: info@allen.ac.in | **Web**: www.allen.ac.in

ALLEN Info & Admission App
Download from Google play

www.allen.ac.in/sikar | facebook.com/allensikar | twitter.com/allensikar | youtube.com/allencareerinstitute